भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1270
उत्तर देने की तारीख : 25.07.2022

विद्यालय की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव

†1270. श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डी:
श्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का कोरोना वायरस महामारी के दौरान अधिक समय तक विद्यालयों के बंद रहने के कारण पढ़ाई का नुकसान वहन करने वाले विद्यार्थियों पर बोझ कम करने के लिए विद्यालय की पाठ्यपुस्तकों में कथित रूप से अंश हटाने और उन्हें बदलने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है:
(ख) क्या सरकार वर्तमान में नई पाठ्यचर्या की रूपरेखा के साथ पाठ्यचर्या परिवर्तन की एक श्रृंखला शुरू कर रही है, जो केंद्रीय और राज्य शैक्षिक बोर्डों के पाठयक्रम को निदेशित करेगी:
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ग-वार ब्यौरा क्या है और इसमें कितनी प्रगति हुई है; और
(घ) क्या राष्ट्रीय नायकों के विषय में अनैतिहासिक तथ्यों और विकृतियों को दूर करने के लिए इतिहास की पाठ्यपुस्तकों को फिर से लिखने की आवश्यकता पर अत्यधिक जोर दिया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ग-वार ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) : कोविड-19 -महामारी की स्थिति के संदर्भ में, स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों में छात्रों को ऑनलाइन और अन्य माध्यमों से अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा। साथ ही, पाठ्यचर्या और पाठ्यपुस्तकों की अलग-अलग विषय सामग्री की कंटेंट मात्रा सहित पाठ्यचर्या संबंधी मात्र से जुड़े सरोकारों को देश के विभिन्न वर्गों द्वारा उठाया गया था। यहां तक कि संसदीय स्थायी समिति ने भी पाठ्यपुस्तकों में सामग्री की अधिकता के बारे में चिंता व्यक्त की।

नई पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशित होने से पहले एक अंतरिम उपाय के रूप में नई पाठ्यचर्या रूपरेखा का अनुसरण करते हुए, एनसीईआरटी ने स्कूल के विभिन्न चरणों में अगले वर्ष के लिए, सभी विषयों में अपने पाठ्यक्रम और उन पाठ्यपुस्तकों की युक्तिकरण की दिशा में कदम उठाया, जिनका उपयोग आम तौर पर सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में किया जाता है।

(ख) और (ग) : नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) के लिए प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है। स्कूल शिक्षा से संबंधित पच्चीस विषयों पर स्थिति पत्र तैयार किए गए हैं। एक बार अंतिम रूप दिए जाने के बाद इससे स्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के विकास को दिशा मिलेगी।

(घ) : सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों को पुनर्मुद्रण के लिए भेजने से पहले समय-समय पर विभिन्न हितधारकों से प्राप्त सुझावों की समीक्षा करता है। राष्ट्रीय नायकों के संबंध में, विभाग को विभिन्न व्यक्तियों और संगठनों से उनके जीवन और उपलब्धियों को अधिक स्थान देने संबंधी अनुरोध प्राप्त हुए हैं। तथापि, विभाग को किसी भी राष्ट्रीय नायक के बारे में अनैतिहासिक तथ्यों और विरूपण के संबंध में टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है।

*****